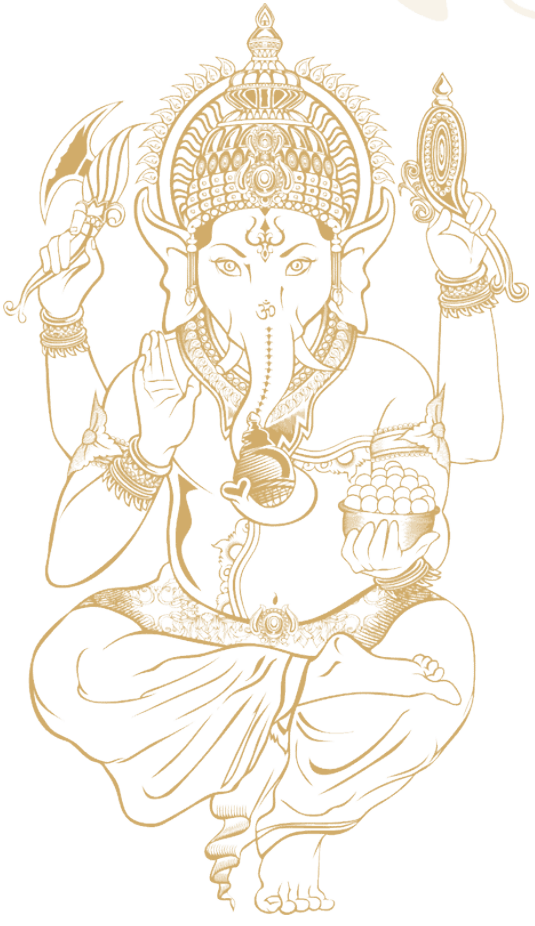

Mr. Anshu Shukla

Ms. Sujata mishra

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121300206

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
05/11/1992	जन्म तिथि	19/05/1995
गुरुवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 10:59:00	जन्म समय	07:30:00 घंटे
घटी 12:41:14	जन्म समय(घटी)	06:09:09 घटी
India	देश	India
Bokaro	स्थान	Siswa Bazar
23:51:00 उत्तर	अक्षांश	27:09:00 उत्तर
86:02:00 पूर्व	रेखांश	83:45:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:14:08	स्थानिक संस्कार	00:05:00 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:54:30	सूर्योदय	05:05:27
17:04:23	सूर्यास्त	18:37:46
23:45:41	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:42

विंशोत्तरी
गुरु 15वर्ष 8मा 9दि

शनि	
15/07/2008	
16/07/2027	
शनि	19/07/2011
बुध	28/03/2014
केतु	07/05/2015
शुक्र	07/07/2018
सूर्य	19/06/2019
चन्द्र	17/01/2021
मंगल	26/02/2022
राहु	02/01/2025
गुरु	16/07/2027

अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश
27:20:06	धनु	लग्न	मिथु	08:49:41
19:17:48	तुला	सूर्य	वृष	03:51:23
20:15:24	कुंभ	चंद्र	मक	02:49:28
00:24:09	कर्क	मंगल	सिंह	03:18:57
12:13:19	वृश्चि	बुध	वृष	23:27:05
11:26:41	कन्या	गुरु व	वृश्चि	18:23:21
26:13:43	वृश्चि	शुक्र	मेष	08:45:45
18:24:07	मक	शनि	कुंभ	29:05:15
28:31:21	वृश्चि व	राहु व	तुला	11:38:13
28:31:21	वृष व	केतु व	मेष	11:38:13
21:03:52	धनु	हर्ष व	मक	06:36:06
22:49:33	धनु	नेप व	मक	01:38:12
28:42:53	तुला	प्लूटो व	वृश्चि	05:28:42

विंशोत्तरी
सूर्य 3वर्ष 2मा 22दि

राहु	
10/08/2015	
10/08/2033	
राहु	23/04/2018
गुरु	15/09/2020
शनि	23/07/2023
बुध	09/02/2026
केतु	27/02/2027
शुक्र	27/02/2030
सूर्य	22/01/2031
चन्द्र	22/07/2032
मंगल	10/08/2033

लग्न-चलित

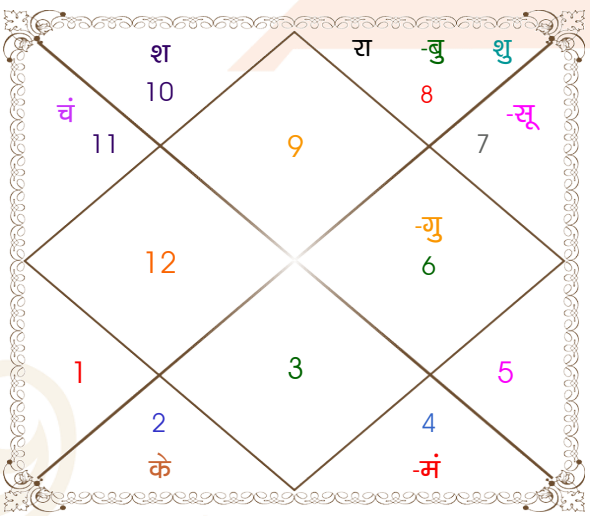

लग्न-चलित

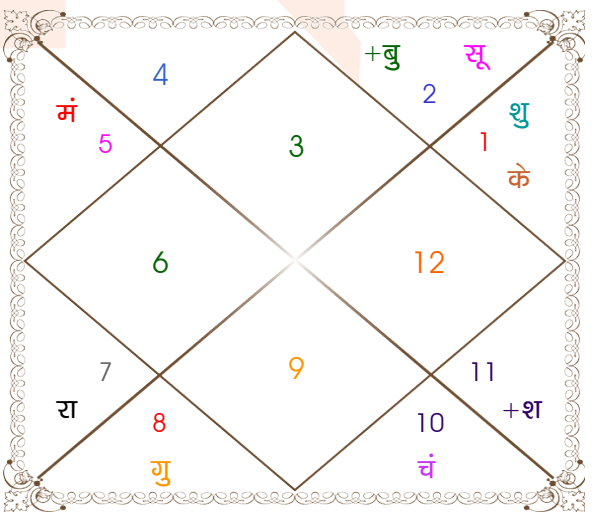

Adarsh jyotish Kendra
jatashankar Shiv Mandir Gorakhpur
9415666065

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सिंह	नकुल	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	मकर	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

डतण ।दींनौनासं का वर्ग मेष है तथा डेण्ै नरंजं उपेीतं का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण ।दींनौनासं और डेण्ै नरंजं उपेीतं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण ।दींनौनासं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डतण ।दींनौनासं कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेण्ै नरंजं उपेीतं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल डेण्ै नरंजं उपेीतं कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण ।दीन ैनासं तथा डेण ैनरंजं उपीतं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।